UPSC Daily Current Affairs 24 AUG 2021

मिस्र ने हमास के साथ तनाव के बीच गाज़ा सीमा बंद की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- अंतरराष्ट्रीय संबंध, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- मिस्र ने हाल में क्षेत्र के चरमपंथी हमास शासकों के साथ तनाव के मध्य गाज़ा पट्टी से लगे अपने मुख्य सीमा क्रॉसिंग प्वाइंट को बंद कर दिया।

इज़रायल-फिलीस्तीन संघर्षः ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

- इज़रायली-फिलीस्तीनी संघर्ष दुनिया का सबसे लंबे समय तक चलने वाला और सबसे ज्यादा विवादास्पद संघर्ष है।
- इस विवाद की जड़ों को 957 ई. पू. में खोजा जा सकता है जब राजा सोलोमन ने इज़रायली साम्राज्य में पहले टेंपल का निर्माण किया था।
- इस टेंपल को 587/586 ई. पू. में बेबीलोन के नेबुचादरेज़्ज़र द्वितीय ने नष्ट कर दिया था।
- यद्यपि यहूदी और मुस्लिम दोनों ही इस भूमि पर कुछ हजार वर्ष पूर्व से अपना दावा पेश करते रहे हैं, वर्तमान राजनीतिक संघर्ष की शुरुआत प्रारंभिक 20वीं शताब्दी में हुई।

100 वर्ष पुराना मुद्दा

- प्रथम विश्वयुद्ध में ओट्टोमन साम्राज्य की पराजय के बाद, ब्रिटिश ने फिलीस्तीन कहलाने वाले इस क्षेत्र पर प्रभुत्व जमा लिया।
- इस भूमि पर यहूदी अल्पसंख्यक और मुस्लिम बहुसंख्यक रहते थे।
- दोनों समुदायों में उस समय तनाव बढ़ा जब अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने ब्रिटेन को यहूदी लोगों के लिए फिलीस्तीन में "राष्ट्रीय भूमि" बनाने का कार्य सौंपा।
- यहूदियों के लिए यह उनके पूर्वजों की भूमि थी।
- लेकिन फिलीस्तीनी अरबों ने भी भूमि पर दावा किया और इस कदम का विरोध किया।
- यहूदी जो यूरोप में उत्पीड़न से भाग रहे थे और द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद होलोकास्ट के बाद अपनी भूमि की मांग कर रहे थे, 1920 से 1940 के दशकों के मध्य बड़ी संख्या में यहां आए।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- लोगों की बढ़ती संख्या की वजह से अरबों और यहूदियों के मध्य हिंसा शुरू हो गई और लोगों में ब्रिटिश शासन के खिलाफ गुस्सा भर गया।
- 1947 में, संयुक्त राष्ट्र ने फिलीस्तीन को दो अलग हिस्सों यहूदी और अरब देशों के बीच बांटने के लिए मतदान किया, जिसमें जेरुशलम को एक अंतरराष्ट्रीय शहर बनना था।
- इस योजना को यहूदी नेताओं ने तो स्वीकार कर लिया लेकिन अरब पक्ष ने खारिज़ कर दिया और इसका क्रियान्वयन न हो सका।

अब स्थिति क्या है?

- पूर्वी जेरुशलम, गाज़ा और पश्चिमी किनारे पर रहने वाले इज़रायलियों और फिलीस्तीनियों के मध्य हमेशा भारी तनाव रहता है।
- गाज़ा पर एक फिलीस्तीनी चरमपंथी समूह हमास का शासन है, जिसने कई बार इज़रायल के साथ लड़ाई की है। इज़रायल और मिस्र गाज़ा सीमाओं को सख्ती के साथ नियंत्रित करते हैं।
- गाज़ा और पश्चिमी किनारे के फिलीस्तीनियों का कहना है वे इज़रायल की कार्रवाईयों और प्रतिबंधों की वजह से परेशानी का सामना कर रहे हैं। इज़रायल का कहना है वह केवल फिलीस्तीनी हिंसा से अपने को बचाने के लिए कार्रवाई कर रहा है।

गाज़ा पट्टी के बारे में जानकारी

- गाज़ा पट्टी भूमध्यसागर के पूर्वी तट पर एक स्व-शासित फिलीस्तीनी क्षेत्र है।
- इसके दक्षिण-पश्चिम में मिस्र और पूर्वी और उत्तरी सीमाओं पर इज़रायल है।
- गाज़ा और पश्चिमी किनारे पर फिलीस्तीन का कानूनी तौर पर संप्रभु देश का दावा है।

युक्तधाराः भू-स्थानिक योजना पोर्टल

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र II- शासन, स्रोत- इकोनॉमिक्स टाइम्स)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय मंत्री ने हाल में भुवन के अंतर्गत एक नए पोर्टल "युक्तधारा" की शुरुआत की है।

युक्तधारा पोर्टल के बारे में जानकारी

- "युक्तधारा" भू-स्थानिक योजना पोर्टल परिसंपत्तियों (जिओटैग्स) के भंडार के रूप में कार्य करेगा जिसे विभिन्न राष्ट्रीय ग्रामीण विकास कार्यक्रमों अर्थात MGNREGA, एकीकृत वाटरशेड प्रबंधन कार्यक्रम, प्रति बूंद अधिक फसल और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना इत्यादि के अंतर्गत सृजित किया गया है। इसमें क्षेत्र के चित्र भी शामिल हैं।
- यह पोर्टल विषयगत स्तरों, विश्लेषण उपकरणों के साथ बहु अस्थाई उच्च पृथ्थकरण पृथ्वी पर्यवेक्षण आंकड़ों की विशाल किस्मों को एकीकृत करता है।
- योजनाकार विभिन्न योजनाओं के अंतर्गत पूर्व की परिसंपत्तियों का विश्लेषण करेंगे और ऑनलाइन उपकरणों का प्रयोग करके नये कार्यों की पहचान को सुगम बनाएंगे।
- तैयार की गई योजनाओं का राज्य विभागों के अंतर्गत उपयुक्त प्राधिकरणों द्वारा मूल्यांकन किया जाएगा।
- इस तरह से, युक्तधारा आधारित योजनाएं जमीनी स्तर के कार्यकर्ताओं द्वारा तैयार की जाएंगी और प्रासंगिक एवं संसाधन आवंटन के लिए उपयुक्त प्राधिकरणों द्वारा सत्यापित की जाएंगी।

महत्व

- यह पोर्टल योजना की गुणवत्ता को सुनिश्चित करेगा और वर्षों के दरमियान सृजित की गई परिसंपत्तियों की दीर्घावधि निगरानी को सक्षम बनाएगा।
- विकेंद्रीकृत निर्णय लेने के समर्थन में ग्रामीण योजना के लिए G2G सेवा में यह मदद देगा।

धूम-कोहरा टॉवर

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- दिल्ली के मुख्यमंत्री ने हाल में प्रयोगात्मक आधार पर देश के पहले 'धूम कोहरा टॉवर' का उद्घाटन किया है।

धूम-कोहरा टॉवरों के बारे में जानकारी

- ये वे संरचनाएं हैं जिन्हें वायु प्रदूषण कणों को घटाने के लिए विशाल वायु शोधकों के रूप में बनाया जाता है।

धूम-कोहरा टॉवर के घटक

- यह संरचना 24 मी. ऊंची होती है, जो लगभग 8 मंजिला भवन के बराबर है- इसमें 18 मी. का कॉन्क्रीट टॉवर होता है जिसके ऊपर 6 मी. ऊंची छतरी होती है। इसके आधार पर 40 पंखे होते है, 10 पंखे प्रत्येक तरफ।
- प्रत्येक पंखा प्रति सेकेंड 25 घन मीटर वायु को छोड़ सकता है, जिससे पूरे टॉवर द्वारा छोड़ी जाने वाली वायु की मात्रा प्रति सेकेंड 1,000 घन मीटर होती है।

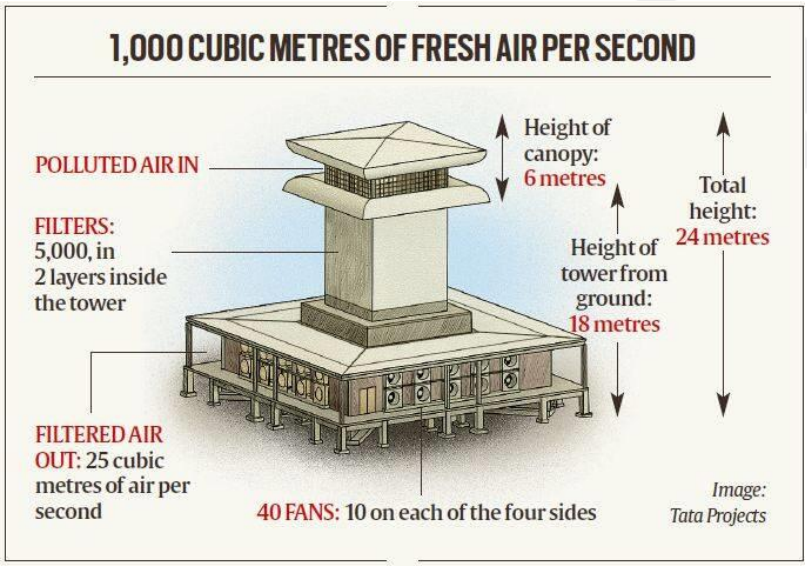

यह कैसे कार्य करता है?

- टॉवर एक 'अधोप्रवाह वायु शोधन प्रणाली' का प्रयोग करता है जिसे मिन्नेसोटा विश्वविद्यालय द्वारा विकसित किया गया है।
- प्रदूषित वायु को 24 मी. की ऊंचाई पर खींच लिया जाता है और टॉवर के निचले हिस्से से छनी हुई वायु छोड़ी जाती है जो भूमि से लगभग 10 मी. की ऊंचाई पर होता है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- जब टावर के निचले हिस्से के पंखे संचालित होते हैं, पैदा हुआ ऋणात्मक दबाव ऊपर से वायु को खींच लेता है।
- फिल्टर में बड़े स्तर 10 माइक्रॉन और बड़े कणों को रोक लेते हैं, जबकि सूक्ष्म स्तर फिल्टर लगभग 0.3 माइक्रॉन के छोटे कणों को रोकते हैं।

चीन से अलग

- अधोप्रवाह विधि चीन में प्रयोग की गई प्रणाली से अलग है, जहां ज़ियान शहर में 60 मी. का धूम कोहरा टॉवर एक 'उर्ध्ववाह' प्रणाली का प्रयोग करता है- भूमि के पास की वायु खींच ली जाती है, और उसे गर्म करके और संवहन के द्वारा ऊपर प्रणोदित किया जाता है। फिल्टर की हुई वायु टॉवर के ऊपरी हिस्से से छोड़ी जाती है।

नोट:

- विश्व स्वास्थ्य संगठन (WHO) के अनुसार, भारत में दुनिया के दस सबसे ज्यादा प्रदूषित शहरों में से 6 स्थित हैं जिसमें सूची में दिल्ली सबसे ऊपर है।

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- अर्थशास्त्र, स्रोत- द हिंदू)

खबरों में क्यों है?

- केंद्रीय वित्त मंत्री ने हाल में राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन की शुरुआत की है।

पृष्ठभूमि

- यह योजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीतिक विनिवेश नीति के अनुरूप है, जिसके अंतर्गत सरकार कुछ पहचाने हुए क्षेत्रों में ही अपनी उपस्थिति को बनाए रखेगी जबकि बाकी का उपयोग निजी क्षेत्र करेगा।

राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन के बारे में जानकारी

- NMP की संकल्पना विभिन्न अवसंरचना क्षेत्रों में संभावित मुद्रीकरण के लिए तैयार परियोजनाओं के मध्यावधि रोडमैप के रूप में कार्य करने के लिए की गई है।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- NMP को नीति आयोग, वित्त मंत्रालय और अवसंरचना रेखा मंत्रालयों द्वारा किए गए बहु हितधारक सलाहों के द्वारा अंतर्दृष्टि, फीडबैक और अनुभवों के बाद तैयार किया गया है।

लक्ष्य

- राष्ट्रीय मुद्रीकरण पाइपलाइन के द्वारा, सरकार का लक्ष्य अगले चार वर्षों में राज्य स्वामित्व वाली अवसंरचना परिसंपत्तियों को पट्टे पर देकर $81 अरब प्राप्त करना है।
- यह बिना सरकारी वित्तों पर दबाव डाले हुए नई पूंजी खर्च के वित्त पोषण में सहायता देगा।
- इस प्रस्ताव में निजी संचालकों को सड़क, रेलवे, हवाई अड्डे, खेलकूद के स्टेडियम, विद्युत संप्रेषण लाइन जैसी परिसंपत्तियों को सौंपना है।

केंद्रीय परिसंपत्ति मुद्रीकरण के मुद्रीकरण के लिए ढांचे में तीन प्रमुख अनिवार्यताएं हैं:

a. अधिकारों का मुद्रीकरण ना कि स्वामित्व का (इसका अर्थ है कि परिसंपत्तियों को लेनदेन के जीवन के अंत में वापस देना होगा),
b. ब्राउनफील्ड कम जोखिम वाली परिसंपत्तियां और स्थिर राजस्व धाराएं,
c. परिभाषित संविदा वाले ढांचे के अंतर्गत संरचित साझेदारियां जिसमें स्ट्राइक KPIs और प्रदर्शन मानक होंगे।

कोंकण अभ्यास 2021

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- रक्षा, स्रोत-PIB)

खबरों में क्यों है?

- अभ्यास कोंकण को हाल में इंग्लिश चैनल में भारत-UK नौसेनाओं के मध्य किया गया।

कोंकण अभ्यास 2021 के बारे में जानकारी

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- यह भारत और यूनाईटेड किंगडम के बीच में आयोजित होने वाला द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।
- अभ्यासों की कोंकण श्रृंखला 2004 में शुरू हुई थी।
- तबसे, यह अभ्यास बदल-बदल कर दोनों नौसेनाओं द्वारा किया जाता है और जटिलता, पैमाने और तीव्रता के मामले में इसमें वृद्धि हुई है।

भारत और UK के बीच में अन्य अभ्यास:

a. अभ्यास 'इंद्रधनुष' (वायुसेना अभ्यास)
b. अजेय वारियर (संयुक्त सैन्य अभ्यास)

इंग्लिश चैनल के बारे में जानकारी

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW

- यह अटलांटिक महासागर की एक भुजा है जो दक्षिणी इंग्लैंड को उत्तरी फ्रांस से अलग करता है।

जुड़ाव

- यह अपने उत्तर-पूर्वी अंत में डोवर जलसंधि के द्वारा उत्तर सागर के दक्षिणी हिस्से से जुड़ता है।
- यह दुनिया का सबसे व्यस्त जहाजरानी क्षेत्र है।
- यह यूरोप की महाद्वीपीय शेल्फ के चारों ओर सबसे छोटा उथला सागर है।

NTPC ने देश में सबसे बड़े तैरने वाली सौर PV परियोजना चालू की

(विषय- सामान्य अध्ययन प्रश्नपत्र III- पर्यावरण, स्रोत-PIB)

खबरों में क्यों है?

- राष्ट्रीय तापीय विद्युत निगम (NTPC) लि. ने हाल में फ्लेक्सीबिलाइजेशन योजना के तहत सबसे बड़े तैरने वाले सौर PV परियोजना की शुरुआत की है।

तैरने वाली सौर विद्युत परियोजना

- यह एक 25 मेगावाट की सौर PV परियोजना है जो आंध्र प्रदेश के विशाखापत्तनम में सिंहाद्री तापीय स्टेशन के जलाशय पर स्थित है।
- यह एक सौर परियोजना है जिसकी स्थापना फ्लेक्सीबिलाइजेशन योजना के अंतर्गत की जाएगी।

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series | ENROL NOW

- इस परियोजना के द्वारा 1 लाख से ज्यादा सौर PV मॉड्यूलों से विद्युत का उत्पादन करने की संभावना है।
- यह अपनी परियोजना काल के दौरान प्रत्येक वर्ष कम से कम 46,000 टन कार्बन डाईऑक्साइड कटौती को सुनिश्चित करेगी।

फ्लेक्सीबिलाइजेशन योजना के बारे में जानकारी

- इसे भारत सरकार ने वर्ष 2018 में शुरू किया था।
- यह योजना विद्युत उत्पादन कंपनियों को केवल तापीय विद्युत की बजाय नवीकरणीय विद्युत के द्वारा अपने आपूर्ति दायित्वों को पूरा करने की अनुमति देती है।
- योजना के अंतर्गत, कोई भी विद्युत उत्पादन कंपनी जिसके पास कोयला/लिग्नाइट/गैस आधारित तापीय उत्पादन स्टेशन हैं, देश में कहीं भी नवीकरणीय ऊर्जा उत्पादन क्षमता को स्थापित अथवा हासिल कर सकती है। यह कार्य वर्तमान स्टेशनों अथवा नये स्थानों पर किया जा सकता है।

gradeup

Gradeup UPSC Exams Super Subscription (UPSC CSE & UPSC EPFO) | Access to All Structured Courses & Test Series ENROL NOW